विरोध

अवैध शराब परिवहन का विरोध करने पर आदिवासी युवक से अभद्रता, जातिसूचक गालियां देने और मारपीट की कोशिश का आरोप

घुघरी में बवाल, भड़के ग्रामीणों ने घेरा थाना

घुघरी/मंडला, नवभारत। आदिवासी बाहुल्य जिले के विकासखंड मुख्यालय घुघरी से एक बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण मामला सामने आया है। यहाँ देशी शराब दुकान से अवैध तरीके से शराब ले जाए जाने का विरोध करने पर एक स्थानीय आदिवासी युवक के साथ कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर गाली-गलौज की गई और मारपीट की कोशिश की गई।

इस घटना से आक्रोशित होकर बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने घुघरी थाने का घेराव कर दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने शराब दुकान संचालक पर रसूख के घमंड में आदिवासियों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए दुकान को मुख्य बस स्टैंड से हटाने की मांग की है।

जानकारी अनुसार घुघरी स्थित देशी शराब दुकान से अवैध तरीके से शराब का परिवहन किया जा रहा था। इसे देखकर गाँव के सजग युवाओं ने जब इसका विरोध किया, तो शराब दुकान के स्टाफ और संचालक दादागिरी पर उतर आए। पीड़ित युवक अंकुर उइके ने बताया कि विरोध दर्ज कराने पर आरोपियों ने उसके साथ बदतमीजी की। अंकुर का आरोप है कि उसे गोंड समाज का नाम लेकर सरेआम जातिसूचक गालियाँ दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपियों ने अहंकार दिखाते हुए कहा तुमको जो करना है कर लो, हमारा कुछ नहीं बिगड़ेगा। बात यहीं नहीं रुकी, आरोपियों ने अंकुर की गर्दन पकड़कर उसे जबरन शराब दुकान के अंदर खींचने का प्रयास भी किया।

पैसे के घमंड में आदिवासियों को दबाने का आरोप

घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि शराब दुकान संचालक पैसे और रसूख के घमंड में चूर है। वह अक्सर गरीब और आदिवासी वर्ग के लोगों को इसी तरह दबाने और कुचलने की धमकी देता है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में इस तरह सरेआम एक आदिवासी युवक का अपमान और प्रताड़ना किए जाने से पूरे समाज में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है।

थाने में प्रदर्शन कर की मांग

घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामवासी और युवा लामबंद होकर घुघरी थाना पहुंचे और घेराव कर दिया। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के सामने मुख्य रूप से दो मांगें रखी हैं। जिसमें अंकुर उइके के साथ अभद्रता, मारपीट की कोशिश और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। मुख्य बस स्टैंड पर शराब दुकान होने के कारण क्षेत्र का पूरा वातावरण दूषित हो चुका है। शराबी तत्वों के कारण महिलाओं, बच्चियों और आम राहगीरों का वहाँ से गुजरना मुश्किल हो गया है। इसलिए इस दुकान को यहाँ से बंद कर किसी अन्य सुदूर स्थान पर स्थानांतरित किया जाए।

पुलिस जांच में जुटी, ग्रामीण अड़े

ग्रामीणों का दो टूक कहना है कि मुख्य बस स्टैंड पर शराब दुकान होने से आए दिन विवाद होते हैं। आज हमारे समाज के युवा के साथ जो हुआ, वह बर्दाश्त से बाहर है। जब तक इस दुकान को यहाँ से नहीं हटाया जाता और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। फिलहाल पुलिस ने ग्रामीणों की शिकायत दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल मुस्तैद है। वहीं ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही दोषियों की गिरफ्तारी और दुकान हटाने की कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

अनियंत्रित होकर पलटी तूफान, बाल-बाल बचा चालक

▶ रोसरा-बड़झर मार्ग पर नर्मदा पुल के किनारे हुआ हादसा

बबलिया। ग्राम चकदेही के पास एक तूफान वाहन हादसे का शिकार हो गया। बताया गया कि रोसरा-बड़झर मार्ग पर स्थित नर्मदा नदी के पुल के किनारे एक चार पहिया तूफान वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में वाहन चालक पूरी तरह सुरक्षित है और उसे मामूली चोटें आई हैं।

जानकारी अनुसार तूफान गाड़ी बुधवार की दोपहर चकदेही से रोसरा बड़झर की ओर जा रही थी। जैसे ही वाहन चकदेही के पास नर्मदा नदी पुल के समीप पहुँची, इसी दौरान अचानक वह अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। भिड़ंत और पलटने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुँचे।

ग्रामीणों ने चालक को सुरक्षित निकाला बाहर

बताया गया है कि घटना के समय चार पहिया तूफान वाहन में केवल चालक ही सवार था, उसमें अन्य कोई यात्री मौजूद नहीं था। वाहन पलटने से गाड़ी को नुकसान पहुँचा है, लेकिन चालक की किस्मत अच्छी थी कि वह इस गंभीर हादसे में बाल-बाल बच गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। बुधवार को हुए इस हादसे की सूचना के बाद स्थानीय स्तर पर सतर्कता बरतने और मोड़ों पर वाहनों की गति धीमी रखने की अपील की गई है।

नारायणगंज में दवा व्यापारियों का हल्लाबोल

ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में बंद रहीं मेडिकल दुकानें, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नारायणगंज। केंद्र सरकार द्वारा जारी जीएसआर 817(ई) एवं जीएसआर 220 के तहत ऑनलाइन फार्मेसी और ई-प्रिस्क्रिप्शन व्यवस्था लागू किए जाने के विरोध में नारायणगंज के दवा व्यापारियों ने मोर्चा खोल दिया है। ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के राष्ट व्यापी बंद के आव्हान पर नारायणगंज दवा व्यापारी संघ ने अपना पूर्ण समर्थन देते हुए नगर की सभी दवा दुकानें बंद रखीं। इसके बाद व्यापारियों ने एकजुट होकर तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

दवा व्यापारियों का साफ कहना है कि ऑनलाइन फार्मेसी और ई-प्रिस्क्रिप्शन व्यवस्था लागू होने से स्थानीय दवा विक्रेताओं और छोटे फुटकर व्यापारियों के रोजगार पर गहरा संकट मंडराने लगेगा। इसके अलावा ऑनलाइन दवा विक्रय प्रणाली के कारण जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता, वितरण व्यवस्था और आम नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा पर भी विपरीत असर पड़ने की प्रबल आशंका है।

आपातकालीन दवाओं की उपलब्धता रही बहाल- व्यापारी संघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस हड़ताल का उद्देश्य आम जनता या मरीजों को परेशान करना कतई नहीं था, बल्कि अपनी जायज मांगों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाना था। इसी संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए आंदोलन के दौरान अति-आवश्यक और आपातकालीन दवाओं की बैकअप व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी, जिससे किसी भी गंभीर मरीज को असुविधा न हो।

बिना अनुमति मेडिकेटेड क्रीम बेचने वालों को दी हिदायत- इस आंदोलन के दौरान दवा व्यापारियों ने औषधि नियमों के कड़ाई से पालन और सामाजिक जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया। संघ के सदस्यों द्वारा क्षेत्र के कुछ चिकित्सकीय क्लीनिकों और कॉस्मेटिक दुकानों का रुख कर उन्हें पैंडर्म और स्किनशाइन जैसी गंभीर मेडिकेटेड क्रीमों को बिना वैध अनुमति और बिना डॉक्टर के पर्चे के न बेचने की सख्त समझाइश दी गई, साथ ही औषधि नियमों का उल्लंघन न करने की हिदायत भी दी गई।

प्रदर्शन में ये रहे उपस्थित- हड़ताल को सफल बनाने और ज्ञापन सौंपने के दौरान रीतेश सोनी, दिनेश सोनी, कुशाग्र श्रीवास्तव, आयुष शर्मा, अनिल सिंगरोरे, निखिल अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, सत्येंद्र यादव, दक्ष अग्रवाल एवं अभिषेक सिंगरोरे सहित क्षेत्र के अनेक प्रमुख दवा व्यापारी और फार्मासिस्ट मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

खोहरी के जंगल में मिला लापता महिला का नरकंकाल

इलाके में फैली सनसनी, 4 मई से गायब थी बुजुर्ग महिला, साड़ी और दांतों की बनावट से परिजनों ने की पहचाना

नैनपुर, नवभारत। नैनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोहरी के जंगलों में एक बार फिर सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ के जंगल में एक वृद्ध महिला का नरकंकाल मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। चूंकि घटना स्थल दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों की सीमा पर स्थित है, इसलिए मौके पर दोनों थानों की पुलिस जांच के लिए पहुंच गई है। पूर्व में भी इस क्षेत्र में हत्या की वारदातें हो चुकी हैं, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

जानकारी अनुसार महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मलारा की रहने वाली 65 वर्षीय महिला इंदुवती पति स्वर्गीय चैतराम विश्वकर्मा बीती 4 मई को अपने घर से अचानक कहीं चली गई थीं। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका कोई पता नहीं चला, तो 8 मई को उनकी बेटी नगीना ने महाराजपुर थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तब से ही पुलिस और परिजन उनकी तलाश कर रहे थे।

साड़ी, चूड़ी और दांतों से हुई पहचान

बुधवार को नैनपुर थाना क्षेत्र के खोहरी जंगल में एक नरकंकाल देखे जाने की सूचना मिली। जब पुलिस टीम और मृतका के परिजन मौके पर पहुंचे, तो कंकाल के पास महिला की साड़ी और चूड़ी पड़ी मिली। वहीं दांतों की विशिष्ट बनावट के आधार पर परिजनों ने स्पष्ट किया कि यह कंकाल लापता इंदुवती विश्वकर्मा का ही है।

बालाघाट से बुलाई गई एफएसएल की टीम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मामला संदिग्ध होने के कारण पुलिस फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। घटनास्थल की बारीकी से जांच और मौत के असली कारणों का पता लगाने के लिए बालाघाट से फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम को बुलाया है। अधिकारियों का कहना है कि एफएसएल टीम की तकनीकी जांच और विसरा रिपोर्ट के बाद ही पुलिस किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचेगी। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

सीमा विवाद के बीच दोनों थानों की पुलिस मुस्तैद

नरकंकाल मिलने की जगह नैनपुर और महाराजपुर दोनों थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आती है। सीमावर्ती इलाका होने के कारण सूचना मिलते ही नैनपुर अनुभाग के एसडीओपी मनीष राज और थाना प्रभारी बलदेव भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। वहीं गुमशुदगी का मामला दर्ज होने के कारण महाराजपुर थाने की पुलिस टीम भी तफ्तीश के लिए घटना स्थल पर पहुंची। सुबह खबर मिलते ही पुलिस की एक विशेष टीम को तुरंत रवाना कर दिया गया था।

निरीक्षण

स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग का संयुक्त औचक निरीक्षण, गंभीर कुपोषित बच्चे को भर्ती रखने के दिए निर्देश

टीकाकरण दिवस पर अनुपस्थित सीएचओ का कटेगा सात दिन का वेतन

घुघरी/मंडला। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और मैदानी स्तर पर मुस्तैदी जांचने के लिए सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती और महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया गया। इस संयुक्त भ्रमण के दौरान लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर जहाँ सख्त कार्रवाई की गई, इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में व्यवस्थाओं को बेहतर करने के निर्देश दिए गए।

टीकाकरण ड्यूटी से गायब मिलीं सीएचओ, वेतन काटने के दिए निर्देश :

सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने बताया कि संयुक्त टीम द्वारा घुघरी ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर गजराज, डोंगर मंडला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर गजराज में पदस्थ सीएचओ वैशाली चौरे टीकाकरण दिवस के दिन भी केंद्र से अनुपस्थित पाई गईं। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से उनका सात दिवस का वेतन काटने की दंडात्मक कार्रवाई की है।

कुपोषित बच्चे को ठीक होने तक अस्पताल में रखने के दिए निर्देश

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वहाँ मौजूद मरीजों से चर्चा की। केंद्र में एक अत्यधिक गंभीर कुपोषित बच्चा मिलने पर सीएमएचओ ने संवेदनशीलता दिखाते हुए खंड चिकित्सा अधिकारी को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चे का तत्काल बेहतर उपचार शुरू किया जाए और जब तक वह पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जाता, तब तक उसे स्वास्थ्य संस्था में ही भर्ती रखा जाए।

गर्भवती माताओं से लिया सेवाओं का फीडबैक

घुघरी ब्लॉक के बाद संयुक्त टीम ने मोहगांव ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पातादेई और मुंगबानी का भी रुख किया। यहाँ चल रहे नियमित टीकाकरण कार्य की बारीकी से मॉनिटरिंग की गई। अधिकारियों ने केंद्र में उपस्थित गर्भवती महिलाओं से चर्चा कर उन्हें उचित स्वास्थ्य परामर्श दिया। साथ ही, वहाँ पदस्थ सीएचओ और एएनएम द्वारा प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का जमीनी स्तर पर फीडबैक भी लिया। इस औचक निरीक्षण से पूरे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप का माहौल रहा।

नेकेश्वर पटेल बने कुर्मी समाज के नगर अध्यक्ष

मंडला। बिंझिया स्थित सरदार पटेल मंगल भवन में कुर्मी समाज विकास संगठन जिला मंडला की नवीन कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। जिला अध्यक्ष सीबी पटेल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गईं, जिसमें नेकेश्वर पटेल को सर्वसम्मति से नगर इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन के विस्तार पर चर्चा की गई। इसी कड़ी में बलराम पटेल बिनैका एवं राजेंद्र सिंगौर छोटी खैरी को उपाध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। बताया गया कि संगठन ने भविष्य में शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण अंचलों में भी विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों के गठन का प्रस्ताव रखा है, ताकि सामाजिक गतिविधियों को गति दी जा सके। नगर अध्यक्ष मनोनीत होने के बाद नेकेश्वर पटेल ने समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी टीम के साथ कुर्मी समाज के उत्थान और विकास के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उनकी प्राथमिकता समाज को एकजुट करना और जनकल्याणकारी कार्यों को धरातल पर उतारना होगी।

श्रमदान कर निकाला ढाई क्विंटल कचरा, किया पौधरोपण

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कुंभेश्वर घाट पर की गई सफाई

नारायणगंज। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक और श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नारायणगंज की ग्राम पंचायत कुम्हा के प्रसिद्ध कुंभेश्वर घाट पर आयोजित इस कार्यक्रम में जबलपुर संभाग के संभाग समन्वयक रवि बर्मन, जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी और विकासखंड समन्वयक संतोष झारिया उपस्थित रहे।

बैठक से पूर्व परिषद के अधिकारियों, नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों, सीएमसीएलडीपी परामर्शदाताओं और छात्र-छात्राओं ने कुंभेश्वर घाट पर वृहद स्तर पर श्रमदान किया। इस दौरान नर्मदा तट से पॉलीथिन, पुराने कपड़े और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को समेटा गया। टीम ने घाट से लगभग 2.5 क्विंटल कचरा एकत्रित कर उसका सुरक्षित निपटान किया। इसके बाद सभी उपस्थित जनों ने माँ नर्मदा को निर्मल और स्वच्छ रखने का संकल्प लेते हुए कुम्हा स्थित आश्रम परिसर में पौधरोपण किया।

गंगा दशहरा पर 25 पंचायतों में निकलेगी कलश यात्रा- श्रमदान के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में विकासखंड समन्वयक संतोष झारिया ने नारायणगंज ब्लॉक का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 25 मई को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर विकासखंड के पांच सेक्टरों की 25 प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान स्थानीय जल स्रोतों का पूजन, साफ-सफाई और उनके रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस अभियान हेतु परिषद की ओर से प्रत्येक ग्राम पंचायत को पत्र भी जारी किए जा चुके हैं।

कार्यों की समीक्षा और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा- संभाग समन्वयक रवि बर्मन ने क्षेत्र में संचालित नवांकुर संस्थाओं के संस्कार केंद्रों, सूचना केंद्रों और नर्सरी स्थापना के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी समितियों के कार्यों को सराहते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। इसके साथ ही सीएमसीएलडीपी परामर्शदाताओं की कक्षाओं की सेक्टर-वार समीक्षा की गई और आगामी परीक्षाओं की तैयारी सहित नए सत्र में नवीन प्रवेश के लिए छात्रों को प्रेरित करने के निर्देश दिए गए।